

दिनांक 09.08.2017 से 11.08.2017 तक जनपद बलिया एवं आजमगढ़ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एवं सर्पोटिव सुपरविजन की भ्रमण आख्या।

डा०, हरिओम दीक्षित, (आर०क०एस०क०) एवं रजीव कुमार दूबे, कार्यक्रम समन्वयक बाल स्वास्थ्य की टीम द्वारा आजमगढ़ मण्डल के जनपद बलिया का राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को दिनांक 10 अगस्त 2017 में भ्रमण किया गया। जनपद में अनुश्रवण के क्रम में भ्रमण आख्या निम्न है।

• समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रसडा (सराय भारती) बलिया।

समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रसडा भ्रमण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा० विरेन्द्र कुमार उपस्थित नहीं थे। चिकित्सालय के फार्मासिस्ट से इकाई में जनपद स्तर से 96000 एलबेन्डाजोल गोली उपलब्ध कराई गई थी। परन्तु दवा वितरण लिस्ट उपलब्ध नहीं थी।

• जनपद स्तर से मात्र पोस्टर और कुछ पम्पलैट ही उपलब्ध कराये गये थे।

• उपलब्ध गोली के सापेक्ष लगभग 59000 गोली का वितरण आशा एवं ए.एन.म. को कर दिया गया था।

• ब्लाक के अन्तर्गत 231 प्राथमिक विद्यालय के सापेक्ष 181 विद्यालय को एलबेन्डाजोल की गोली उपलब्ध करा दी गई थी तथा विद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अन्तर्गत खिलाई जा रही थी।

• ब्लाक के अन्तर्गत 156 आगनबाड़ी केन्द्रों के अन्तर्गत गोली वितरित की गई थी।

• ब्लाक के अन्तर्गत 01–19 वर्ष तक के बच्चों की संख्या 24450 थी।

• सिद्दीकी इन्टर कालेज, विकास खण्ड चिलकहर, जनपद – बलिया

• सिद्दीकी इन्टर कालेज कतवारी में प्रधानाध्यापक द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन अच्छी तरह किया जा रहा था।

• विद्यालय में 1400 बच्चों के सापेक्ष लगभग 450 बच्चे उपस्थित थे।

• भ्रमण दल के समक्ष समस्त बच्चों को दवाएं खिलाई गई एवं दवा खिलाने के पूर्व में दवा के लाभ से एवं तरीके से समस्त बच्चों को अवगत कराया गया।

• आगनबाड़ी केन्द्र सवरॉ, विकास खण्ड चिलकहर, जनपद – बलिया

• भ्रमण के दौरान आगनबाड़ी केन्द्र सवरॉ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अन्तर्गत बच्चों को एलबेन्डाजोल की गोली खिलाई जा रही थी।

• केन्द्र पर आगनबाड़ी सहायक आगनबाड़ी और आशा उपलब्ध थी।

• केन्द्र को ब्लाक प्रशिक्षण केन्द्र से दवाईया एवं पोस्टर उपलब्ध कराये गये थे।

• परन्तु रिपोर्टिंग प्रपत्र उपलब्ध नहीं कराये गये थे।

• 40 बच्चों को एलबेन्डाजोल की गोली खिलाई जा चुकी थी।

• प्राथमिक विद्यालय सवरॉ, विकास खण्ड चिलकहर, जनपद – बलिया

• भ्रमण के दौरान प्राथमिक विद्यालय सवरॉ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अन्तर्गत बच्चों को एलबेन्डाजोल की गोली खिलाई जा रही थी।

• स्कूल के सहायक अध्यापक द्वारा ब्लाक स्तर के बी०आर०सी० केन्द्र पर प्रशिक्षित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान पोस्टर पम्पलैट और दवाईया उपलब्ध कराई गई थी।

• स्कूल में लगभग 150 बच्चे पंजीकृत के सापेक्ष लगभग 80 बच्चों को एलबेन्डाजोल की गोली खिलाई गई थी।

• प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिलकहर, जनपद – बलिया

• जनपद स्तर से 54000 गोली एलबेन्डाजोल की उपलब्ध हुई थी।

• ब्लाक के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय 134 और प्राइवेट विद्यालय 40 थे और आगनबाड़ी 205 और जूनियर विद्यालय 58 है जिसमें राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अन्तर्गत एलबेन्डाजोल की गोली वितरित की गई थी।

- सभी स्कूलों एवं आगनबाड़ी केन्द्रों को दवा एवं पोस्टर, पम्पलैट उपलब्ध करा दी गई है।
- शाम तक सभी स्कूलों एवं आगनबाड़ी केन्द्रों राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान किसी भी बच्चे की बीमार होने की कोई सूचना उपलब्ध नहीं थी।

- **जिला महिला चिकित्सालय, जनपद – आजमगढ़**

- जिला महिला चिकित्सालय में विगत माह में 11360 ओपीओडी और 1500 आईपीओडी हुई थी।

- विगत माह में 1025 एनसीओ के केस दर्ज किये गये हैं और माह जुलाई में सामान्य प्रसव 473 एवं सहायतार्थ प्रसव 170 और आपरेशन द्वारा 144 प्रसव सम्पन्न कराये गये। जिसमें से कम वजन वाले बच्चे 50 पाये गये।

- विगत माह में 59 लैपरोस्कोपी की गयी है।

- एफएचएस क्लीनिक के अन्तर्गत 253 लोगों की काउन्सलिंग की गई जिसमें से 153 लोगों का उपचार किया गया।

- **सिक न्यूबार्न केयर इकाई जिला महिला चिकित्सालय, जनपद – आजमगढ़**

- सिक न्यूबार्न केयर इकाई में 14 रेडिएण्ट वार्मर के सापेक्ष मात्र 6 रेडिएण्ट वार्मर ही कार्य कर रहे थे और 6 फोटो थैरेपी कार्य कर रही थी।

- आक्सीजन कन्सेट्रेटर भी खराब पड़ी हुआ था।

- संविदा पर कोई भी बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं था। नोडल अधिकारी द्वारा ही कार्य देखा जा रहा था।

- 8 स्टाफ नर्स के सापेक्ष 6 स्टाफ नर्स द्वारा कार्य किया जा रहा था। कोई भी सर्पोट स्टाफ जैसे सफाई कर्मी सिक्योरिटी गार्ड की आज तक आउट सोर्सिंग के माध्यम से रखना मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नहीं रखा गया है।
- इकाई में एनसीओ सुचारू रूप से कार्य नहीं कर रहा था। जिसकी मरम्मत कराने के लिए अन्य बार लिखित एवं मौखिक में शिकायत की गई परन्तु कोई भी सुनवायी नहीं हुई अभी तक।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अतरौलिया जनपद – आजमगढ़**
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अतरौलिया 30 बेडेड अस्पताल है जिसमें 2 मेडिकल ऑफिसर और 2 ही स्टाफ नर्स भ्रमण के दौरान उपलब्ध थी।
- लेबर रूम के भ्रमण के दौरान मात्र 01 ही लेबर टेबल छोटी वाली उपलब्ध थी जो कि बहुत ही बुरी स्थिति में थी उसके मैकेटोस और गद्दे सभी अवस्था में पाये गये।
- लगभग 02 माह से किसी भी महिला को जेएसएसओ के अन्तर्गत भाजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था।
- विगत वर्षों में जेएसएसओ के अन्तर्गत लगभग 600 लाभार्थियों के भुगतान लम्बित थे। जिसके लिये ब्लाक लेखा मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि लाभार्थियों के पास बैंक खाता उपलब्ध न होने के कारण भुगतान अभी तक लम्बित है।
- उक्त के विषय में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता की तथा क्षेत्रीय उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी को समुचित व्यवस्था सफाई आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। डिवीजनल पीएमओ को भी इसका अनुश्रवण करने हेतु अनुरोध किया गया।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अतरौलिया जनपद – आजमगढ



- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अतरौलिया 30 बेडेड अस्पताल है जिसमें 2 मेडिकल आफिसर और 2 ही स्टाफ नर्स भ्रमण के दौरान उपलब्ध थी।
- लेबर रूम के भ्रमण के दौरान मात्र 01 ही लेबर टेबल छोटी वाली उपलब्ध थी जो कि बहुत ही बुरी स्थिति में थी उसके मैकनटोस और गद्दे सभी फटे अवस्था में पाये गये।
- लगभग 02 माह से किसी भी महिला को जे०एस०एस०के० के अन्तर्गत भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था।
- विगत वर्षों में जे०एस०वाई के अन्तर्गत लगभग 600 लाभार्थियों के भुगतान लम्बित थे। जिसके लिये ब्लाक लेखा मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि लाभार्थियों के पास बैंक खाता उपलब्ध न होने के कारण भुगतान अभी तक लम्बित है।
- उक्त के विषय में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता की तथा क्षेत्रीय उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी को समुचित व्यवस्था, सफाई आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। डिवीजनल पी०एम० को भी इसका अनुश्रवण करने हेतु अनुरोध किया गया।
- आर०बी०एस०के० कार्यक्रम के अन्तर्गत टीमों के पास वाहन उपलब्ध नहीं थे तथा टीमों द्वारा स्वयं के वाहन से विजिट करने की बात कही गयी।
- टीमों के पास पर्याप्त मात्रा में दवाईया एवं जाँच हेतु उपकरण भी उपलब्ध नहीं थे।
- जाँच के दौरान उपस्थित स्टाफ से कोई भी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं करायी गयी।

Rajiv

(राजीव कुमार दूबे)
कार्यक्रम समन्वयक (बाल स्वास्थ्य)

Om

(डा० हरिओम दीक्षित)
महाप्रबन्धक(आर०के०एस०के०